Gen

Chapter 1

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1 בְּרֵאשִׁית בָּרָא אֱלֹהִים אֵת הַשָּׁמַיִם וְאֵת הָאָרֶץ׃
में-आदि सृजा परमेश्वर को आकाश और-को पृथ्वी
H7225 H0430 H0853 H8064 H0853 H0776

आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया।

2 וְהָאָרֶץ הָיְתָה תֹהוּ וָבֹהוּ וְחֹשֶׁךְ עַל־ פְּנֵי תְהוֹם וְרוּחַ אֱלֹהִים מְרַחֶפֶת עַל־ פְּנֵי הַמָּיִם׃
और-पृथ्वी थी निराकार और-शून्य और-अंधकार ऊपर- मुख गहरा और-आत्मा परमेश्वर मंडराती-थी ऊपर- मुख जल
H0776 H1961 H8414 H0922 H2822 H6440 H8415 H7307 H0430 H6440 H4325

पृथ्वी बेडौल और सुनसान थी। धरती पर कुछ भी नहीं था। समुध पर अंधेरा छाया था और परमेश्वर की आत्मा जल के ऊपर मण्डराती थी।

3 וַיֹּאמֶר אֱלֹהִים יְהִי אוֹר וַיְהִי־ אוֹר׃
और-कहा परमेश्वर हो उजियाला और-हुआ- उजियाला
H0559 H0430 H1961 H0216 H1961 H0216

तब परमेश्वर ने कहा, “उजियाला हो” और उजियाला हो गया।

4 וַיַּרְא אֱלֹהִים אֶת־ הָאוֹר כִּי־ טוֹב וַיַּבְדֵּל אֱלֹהִים בֵּין הָאוֹר וּבֵין הַחֹשֶׁךְ׃
और-देखा परमेश्वर को- उजियाला कि- अच्छा और-अलग-किया परमेश्वर बीच उजियाला और-बीच अंधकार
H7200 H0430 H0853 H0216 H0216 H0914 H0430 H0996 H0216 H0996 H2822

परमेश्वर ने उजियाले को देखा और वह जान गए कि यह अच्छा है। तब परमेश्वर ने उजियाले को अंधियारे से अलग किया।

5 וַיִּקְרָא אֱלֹהִים לָאוֹר יוֹם וְלַחֹשֶׁךְ קָרָא לָיְלָה וַיְהִי־ עֶרֶב וַיְהִי־ בֹקֶר יוֹם אֶחָד׃ פ ¶
और-बुलाया परमेश्वर को-उजियाला दिन और-को-अंधकार बुलाया रात और-हुई- शाम और-हुई- सुबह दिन एक
H7121 H0430 H0216 H3117 H2822 H7121 H3915 H1961 H6153 H1961 H1242 H3117 H0259

परमेश्वर ने उजियाले का नाम “दिन” और अंधियारे का नाम “रात” रखा। शाम हुई और तब सवेरा हुआ। यह पहला दिन था।

6 וַיֹּאמֶר אֱלֹהִים יְהִי רָקִיעַ בְּתוֹךְ הַמָּיִם וִיהִי מַבְדִּיל בֵּין מַיִם לָמָיִם׃
और-कहा परमेश्वर हो ठोस-विस्तार में-बीच जल और-हो अलग-करने-वाला बीच जल से-जल
H0559 H0430 H1961 H7549 H8432 H4325 H1961 H0914 H0996 H4325 H4325

तब परमेश्वर ने कहा, “जल को दो भागों में अलग करने के लिए वायुमण्डल हो जाए।”

7 וַיַּעַשׂ אֱלֹהִים אֶת־הָרָקִיעַ וַיַּבְדֵּל בֵּין הַמַּיִם אֲשֶׁר מִתַּחַת לָרָקִיעַ וּבֵין הַמַּיִם אֲשֶׁר מֵעַל לָרָקִיעַ וַיְהִי־כֵן׃

וַיַּעַשׂ	אֱלֹהִים	אֶת־	הָרָקִיעַ	וַיַּבְדֵּל	בֵּין	הַמַּיִם	אֲשֶׁר	מִתַּחַת	לָרָקִיעַ	
और-बनाया	परमेश्वर	को-	ठोस-विस्तार	और-अलग-किया	बीच	जल	जो	से-नीचे	के-ठोस-विस्तार	
	H0430	H0853	H7549	H0914	H0996	H4325		H8478	H7549	
וּבֵין	הַמַּיִם	אֲשֶׁר	מֵעַל	לָרָקִיעַ	וַיְהִי־	כֵן׃				
और-बीच	जल	जो	से-ऊपर	के-ठोस-विस्तार	और-हुआ-	ऐसा				
H0996	H4325			H7549	H1961					

इसलिए परमेश्वर ने वायुमण्डल बनाया और जल को अलग किया। कुछ जल वायुमण्डल के ऊपर था और कुछ वायुमण्डल के नीचे।

8 וַיִּקְרָא אֱלֹהִים לָרָקִיעַ שָׁמָיִם וַיְהִי־עֶרֶב וַיְהִי־בֹקֶר יוֹם שֵׁנִי׃ ס ¶

וַיִּקְרָא	אֱלֹהִים	לָרָקִיעַ	שָׁמָיִם	וַיְהִי־	עֶרֶב	וַיְהִי־	בֹקֶר	יוֹם	שֵׁנִי׃	ס ¶
और-बुलाया	परमेश्वर	को-ठोस-विस्तार	आकाश	और-हुई-	शाम	और-हुई-	सुबह	दिन	दूसरा	
H7121	H0430	H7549	H8064	H1961	H6153	H1961	H1242	H3117	H8145	

परमेश्वर ने वायुमण्डल को “आकाश” कहा! तब शाम हुई और सवेरा हुआ। यह दूसरा दिन था।

9 וַיֹּאמֶר אֱלֹהִים יִקָּווּ הַמַּיִם מִתַּחַת הַשָּׁמַיִם אֶל־מָקוֹם אֶחָד וְתֵרָאֶה הַיַּבָּשָׁה וַיְהִי־כֵן׃

וַיֹּאמֶר	אֱלֹהִים	יִקָּווּ	הַמַּיִם	מִתַּחַת	הַשָּׁמַיִם	אֶל־	מָקוֹם	אֶחָד	וְתֵרָאֶה	הַיַּבָּשָׁה
और-कहा	परमेश्वर	इकट्ठा-हों	जल	से-नीचे	आकाश	की-ओर-	स्थान	एक	और-दिखाई-दे	सूखी-भूमि
H0559	H0430		H4325		H8064	H0413	H4725	H0259	H7200	H3004
וַיְהִי־	כֵן׃									
और-हुआ-	ऐसा									
H1961										

और तब परमेश्वर ने कहा, “पृथ्वी का जल एक जगह इकट्ठा हो जिससे सूखी भूमि दिखाई दे” और ऐसा ही हुआ।

10 וַיִּקְרָא אֱלֹהִים לַיַּבָּשָׁה אֶרֶץ וּלְמִקְוֵה הַמָּיִם קָרָא יַמִּים וַיַּרְא אֱלֹהִים כִּי־טוֹב׃

וַיִּקְרָא	אֱלֹהִים	לַיַּבָּשָׁה	אֶרֶץ	וּלְמִקְוֵה	הַמָּיִם	קָרָא	יַמִּים	וַיַּרְא	אֱלֹהִים	כִּי־טוֹב׃
और-बुलाया	परमेश्वर	को-सूखी-भूमि	पृथ्वी	और-के-संग्रह	जल	बुलाया	समुद्र	और-देखा	परमेश्वर	अच्छा
H7121	H0430	H3004	H0776		H4325	H7121	H3220	H7200	H0430	

परमेश्वर ने सूखी भूमि का नाम “पृथ्वी” रखा और जो पानी इकट्ठा हुआ था, उसे “समुद्र” का नाम दिया। परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।

11 וַיֹּאמֶר אֱלֹהִים תַּדְשֵׁא הָאָרֶץ דֶּשֶׁא עֵשֶׂב מַזְרִיעַ זֶרַע עֵץ פְּרִי עֹשֶׂה פְּרִי אֲשֶׁר זַרְעוֹ־בּוֹ עַל־הָאָרֶץ וַיְהִי־כֵן׃

וַיֹּאמֶר	אֱלֹהִים	תַּדְשֵׁא	הָאָרֶץ	דֶּשֶׁא	עֵשֶׂב	מַזְרִיעַ	זֶרַע	עֵץ	פְּרִי	עֹשֶׂה	פְּרִי	
और-कहा	परमेश्वर	उगाए	पृथ्वी	घास	पौधा	बीज-देने-वाला	बीज	पेड़	फल	देने-वाला	फल	
H0559	H0430	H1876	H0776	H1877	H6212	H2232	H2233	H6086	H6529		H6529	
אֲשֶׁר	זַרְעוֹ־	בּוֹ	עַל־	הָאָרֶץ	וַיְהִי־	כֵן׃						
जिसका	बीज-	में-उसके	पर-	पृथ्वी	और-हुआ-	ऐसा						
	H2233			H0776	H1961							
לְמִינֵהוּ												
अपनी-जाति-के-अनुसार												
H4327												

तब परमेश्वर ने कहा, “पृथ्वी, घास, पौधे जो अन्न उत्पन्न करते हैं, और फलों के पेड़ उगाए। फलों के पेड़ ऐसे फल उत्पन्न करें जिनके फलों के अन्दर बीज हो और हर एक पौधा अपनी जाति का बीज बनाए। इन पौधों को पृथ्वी पर उगने दो” और ऐसा ही हुआ।

12 וַתּוֹצֵא הָאָרֶץ דֶּשֶׁא עֵשֶׂב מַזְרִיעַ זֶרַע לְמִינֵהוּ וְעֵץ עֹשֶׂה־פְּרִי אֲשֶׁר זַרְעוֹ־בּוֹ לְמִינֵהוּ וַיַּרְא אֱלֹהִים כִּי־טוֹב׃

וַתּוֹצֵא	הָאָרֶץ	דֶּשֶׁא	עֵשֶׂב	מַזְרִיעַ	זֶרַע	לְמִינֵהוּ	וְעֵץ	עֹשֶׂה־	פְּרִי	אֲשֶׁר	זַרְעוֹ־	בּוֹ
और-उत्पन्न-की	पृथ्वी	घास	पौधा	बीज-देने-वाला	बीज	अपनी-जाति-के-अनुसार	और-पेड़	देने-वाला-	फल	जिसका	बीज-	में-उसके
H3318	H0776	H1877	H6212	H2232	H2233	H4327	H6086		H6529		H2233	
לְמִינֵהוּ	וַיַּרְא	אֱלֹהִים	כִּי־	טוֹב׃								
अपनी-जाति-के-अनुसार	और-देखा	परमेश्वर	कि-	अच्छा								
H4327	H7200	H0430										

पृथ्वी ने घास और पौधे उपजाए जो अन्न उत्पन्न करते हैं और ऐसे पेड़, पौधे उगाए जिनके फलों के अन्दर बीज होते हैं। हर एक पौधे ने अपने जाति अनुसार बीज उत्पन्न किए और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।

13 וַיְהִי־עֶרֶב וַיְהִי־בֹקֶר יוֹם שְׁלִישִׁי׃ ס ¶

וַיְהִי־	עֶרֶב	וַיְהִי־	בֹקֶר	יוֹם	שְׁלִישִׁי׃	ס ¶	
और-हुई-	शाम	और-हुई-	सुबह	दिन	तीसरा		
H1961	H6153	H1961	H1242	H3117	H7992		

तब शाम हुई और सवेरा हुआ। यह तीसरा दिन था।

14

וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אֱלֹהִים	परमेश्वर	H0430
יְהִי	हों	H1961
מְאֹרֹת	ज्योतियां	H3974
בִּרְקִיעַ	में-ठोस-विस्तार	H7549
הַשָּׁמַיִם	आकाश	H8064
לְהַבְדִּיל	अलग-करने-के-लिए	H0914
בֵּין	बीच	H0996
הַיּוֹם	दिन	H3117
וּבֵין	और-बीच	H0996
הַלָּיְלָה	रात	H3915
וְהָיוּ	और-हों	H1961
לְאֹתֹת	के-लिए-चिन्हों	H0226
וּלְמוֹעֲדִים	और-के-लिए-निर्धारित-समयों	H4150
וּלְיָמִים	और-के-लिए-दिनों	H3117
וְשָׁנִים׃	और-वर्षों	H8141

तब परमेश्वर ने कहा, “आकाश में ज्योतियाँ होने दो। यह ज्योतियाँ दिन को रात से अलग करेंगी। यह ज्योतियाँ एक विशेष चिन्ह के रूप में प्रयोग की जाएगी जो यह बताएगी कि विशेष सभाएं कब शुरू की जाएं और यह दिनों तथा वर्षों के समयों को निश्चित करेंगी।

15

וְהָיוּ	और-हों	H1961
לִמְאוֹרֹת	के-लिए-ज्योतियों	H3974
בִּרְקִיעַ	में-ठोस-विस्तार	H7549
הַשָּׁמַיִם	आकाश	H8064
לְהָאִיר	प्रकाशित-करने-के-लिए	H0215
עַל־	पर-	
הָאָרֶץ	पृथ्वी	H0776
וַיְהִי־	और-हुआ-	H1961
כֵן׃	ऐसा	

पृथ्वी पर प्रकाश देने के लिए आकाश में ज्योतियाँ ठहरें” और ऐसा ही हुआ।

16

וַיַּעַשׂ	और-बनाया	
אֱלֹהִים	परमेश्वर	H0430
אֶת־	को-	H0853
שְׁנֵי	दो	H8147
הַמְּאֹרֹת	ज्योतियां	H3974
הַגְּדֹלִים	बड़ी	
אֶת־	को-	H0853
הַמָּאוֹר	ज्योति	H3974
הַגָּדֹל	बड़ी	
לְמֶמְשֶׁלֶת	के-लिए-शासन	H4475
הַיּוֹם	दिन	H3117
וְאֶת־	और-को-	H0853
הַמָּאוֹר	ज्योति	H3974
הַקָּטֹן	छोटी	
לְמֶמְשֶׁלֶת	के-लिए-शासन	H4475
הַלַּיְלָה	रात	H3915
וְאֵת	और-को	H0853
הַכּוֹכָבִים׃	तारे	H3556

तब परमेश्वर ने दो बड़ी ज्योतियाँ बनाई। परमेश्वर ने उन में से बड़ी ज्योति को दिन पर राज करने के लिए बनाया और छोटी को रात पर राज करने के लिए बनाया। परमेश्वर ने तारे भी बनाए।

17

וַיִּתֵּן	और-रखा	H5414
אֹתָם	उन्हें	H0853
אֱלֹהִים	परमेश्वर	H0430
בִּרְקִיעַ	में-ठोस-विस्तार	H7549
הַשָּׁמָיִם	आकाश	H8064
לְהָאִיר	प्रकाशित-करने-के-लिए	H0215
עַל־	पर-	
הָאָרֶץ׃	पृथ्वी	H0776

परमेश्वर ने इन ज्योत्तियों को आकाश में इसलिए रखा कि वेह पृथ्वी पर पर चमकें।

18

וְלִמְשֹׁל	और-शासन-करने-के-लिए	H4910
בַּיּוֹם	में-दिन	H3117
וּבַלַּיְלָה	और-में-रात	H3915
וּלֲהַבְדִּיל	और-अलग-करने-के-लिए	H0914
בֵּין	बीच	H0996
הָאוֹר	उजियाला	H0216
וּבֵין	और-बीच	H0996
הַחֹשֶׁךְ	अंधकार	H2822
וַיַּרְא	और-देखा	H7200
אֱלֹהִים	परमेश्वर	H0430
כִּי־	कि-	
טוֹב׃	अच्छा	

परमेश्वर ने इन ज्योतियों को आकाश में इसलिए रखा कि वह दिन तथा रात पर राज करें। इन ज्योतियों ने उजियाले को अंधकार से अलग किया और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।

19

וַיְהִי־	और-हुई-	H1961
עֶרֶב	शाम	H6153
וַיְהִי־	और-हुई-	H1961
בֹקֶר	सुबह	H1242
יוֹם	दिन	H3117
רְבִיעִי׃	चौथा	H7243
פ	¶	

तब शाम हुई और सवेरा हुआ। यह चौथा दिन था।

20

וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אֱלֹהִים	परमेश्वर	H0430
יִשְׁרְצוּ	उमड़ें	H8317
הַמַּיִם	जल	H4325
שֶׁרֶץ	झुंड	H8318
נֶפֶשׁ	प्राण	H5315
חַיָּה	जीवित	
וְעוֹף	और-पक्षी	H5775
יְעוֹפֵף	उड़ें	
עַל־	पर-	
הָאָרֶץ	पृथ्वी	H0776
עַל־	पर-	
פְּנֵי	मुख	H6440
רְקִיעַ	ठोस-विस्तार	H7549
הַשָּׁמָיִם׃	आकाश	H8064

तब परमेश्वर ने कहा, “जल, अनेक जलचरों से भर जाए और पक्षी पृथ्वी के ऊपर वायुमण्डल में उड़ें।”

21

וַיִּבְרָא	אֱלֹהִים	אֶת־	הַתַּנִּינִם	הַגְּדֹלִים	וְאֵת	כָּל־	נֶפֶשׁ	הַחַיָּה	הָֽרֹמֶשֶׂת	אֲשֶׁר֩
और-सृजा	परमेश्वर	को-	बड़े-जलचर	बड़े	और-को	सब-	प्राण	जीवित	रेंगने-वाले	जो
	H0430	H0853			H0853	H3605	H5315		H7430	

שָׁרְצוּ	הַמַּיִם	לְמִֽינֵהֶם	וְאֵת	כָּל־	עוֹף	כָּנָף	לְמִינֵהוּ	וַיַּרְא	אֱלֹהִים
उमड़े	जल	अपनी-जाति-के-अनुसार	और-को	सब-	पक्षी	पंख	अपनी-जाति-के-अनुसार	और-देखा	परमेश्वर
H8317	H4325	H4327	H0853	H3605	H5775	H3671	H4327	H7200	H0430

כִּי־	טוֹב׃
कि-	अच्छा

> इसलिए परमेश्वर ने समुद्र में बहुत बड़े—बड़े जलजन्तु बनाए। परमेश्वर ने समुद्र में विचरण करने वाले प्राणियों को बनाया। समुद्र में भिन्न—भिन्न जाति के जलजन्तु हैं। परमेश्वर ने इन सब की सृष्टि की। परमेश्वर ने हर तरह के पक्षी भी बनाए जो आकाश में उड़ते हैं। परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।

22

וַיְבָרֶךְ	אֹתָם	אֱלֹהִים	לֵאמֹר	פְּרוּ	וּרְבוּ	וּמִלְאוּ	אֶת־	הַמַּיִם	בַּיַּמִּים	וְהָעוֹף
और-आशीष-दी	उन्हें	परमेश्वर	कहते-हुए	फलो	और-बढ़ो	और-भर-दो	को-	जल	में-समुद्रों	और-पक्षी
H1288	H0853	H0430	H0559	H6509		H4390	H0853	H4325	H3220	H5775

יִרֶב	בָּאָרֶץ׃
बढ़ें	में-पृथ्वी
	H0776

> परमेश्वर ने इन जानवरों को आशीष दी, और कहा, “जाओ और बहुत से बच्चे उत्पन्न करो और समुद्र के जल को भर दो। पक्षी भी बहुत बढ़ जाए।”

23

וַֽיְהִי־	עֶרֶב	וַֽיְהִי־	בֹקֶר	יוֹם	חֲמִישִׁי׃	פ
और-हुई-	शाम	और-हुई-	सुबह	दिन	पांचवां	¶
H1961	H6153	H1961	H1242	H3117	H2549	

> तब शाम हुई और सवेरा हुआ। यह पाँचवाँ दिन था।

24

וַיֹּאמֶר	אֱלֹהִים	תּוֹצֵא	הָאָרֶץ	נֶפֶשׁ	חַיָּה	לְמִינָהּ	בְּהֵמָה	וָרֶמֶשׂ
और-कहा	परमेश्वर	उत्पन्न-करे	पृथ्वी	प्राण	जीवित	अपनी-जाति-के-अनुसार	पशु	और-रेंगने-वाले
H0559	H0430	H3318	H0776	H5315		H4327	H0929	H7431

וְחַיְתוֹ־	אֶרֶץ	לְמִינָהּ	וַֽיְהִי־	כֵן׃
और-जंगली-जानवर-	पृथ्वी	अपनी-जाति-के-अनुसार	और-हुआ-	ऐसा
	H0776	H4327	H1961	

> तब परमेश्वर ने कहा, “पृथ्वी हर एक जाति के जीवजन्तु उत्पन्न करे। बहुत से भिन्न जाति के जानवर हों। हर जाति के बड़े जानवर और छोटे रेंगनेवाले जानवर हो और यह जानवर अपने जाति के अनुसार और जानवर बनाए” और यही सब हुआ।

25

וַיַּעַשׂ	אֱלֹהִים	אֶת־	חַיַּת	הָאָרֶץ	לְמִינָהּ	וְאֶת־	הַבְּהֵמָה
और-बनाया	परमेश्वर	को-	जंगली-जानवर	पृथ्वी	अपनी-जाति-के-अनुसार	और-को-	पशु
	H0430	H0853		H0776	H4327	H0853	H0929

לְמִינָהּ	וְאֵת	כָּל־	רֶמֶשׂ	הָֽאֲדָמָה	לְמִינֵהוּ	וַיַּרְא	אֱלֹהִים	כִּי־
अपनी-जाति-के-अनुसार	और-को	सब-	रेंगने-वाला	भूमि	अपनी-जाति-के-अनुसार	और-देखा	परमेश्वर	कि-
H4327	H0853	H3605	H7431	H0127	H4327	H7200	H0430	

טוֹב׃
अच्छा

> तो, परमेश्वर ने हर जाति के जानवरों को बनाया। परमेश्वर ने जंगली जानवर, पालतू जानवर, और सभी छोटे रेंगनेवाले जीव बनाए और परमेश्वर ने देखा कि यह अच्छा है।

26

הַיָּם	בִּדְגַת	וְיִרְדּוּ	כִּדְמוּתֵנוּ	בְּצַלְמֵנוּ	אָדָם	נַעֲשֶׂה	אֱלֹהִים	וַיֹּאמֶר
समुद्र	पर-मछलियों	और-प्रभुता-करें	हमारी-समानता-में	में-हमारे-स्वरूप	मनुष्य	बनाएं	परमेश्वर	और-कहा
H3220	H1710		H1823	H6754	H0120		H0430	H0559

עַל־	הָרֹמֶשׂ	הָרֶמֶשׂ	וּבְכָל־	הָאָרֶץ	וּבְכָל־	וּבַבְּהֵמָה	הַשָּׁמַיִם	וּבְעוֹף
पर-	रेंगने-वाला	रेंगने-वाले	और-पर-सब-	पृथ्वी	और-पर-सब-	और-पर-पशुओं	आकाश	और-पर-पक्षियों
	H7430	H7431	H3605	H0776	H3605	H0929	H8064	H5775

הָאָרֶץ׃
पृथ्वी
H0776

> तब परमेश्वर ने कहा, “अब हम मनुष्य बनाएं। हम मनुष्य को अपने स्वरूप जैसा बनाएगे। मनुष्य हमारी तरह होगा। अह समुद्र की सारी मछलियों पर और आकाश के पक्षियों पर राज करेगा। वह पृथ्वी के सभी बड़े जानवरों और छोटे रेंगनेवाले जीवों पर राज करेगा।”

27

וּנְקֵבָה	זָכָר	אֹתָו	בָּרָא	אֱלֹהִים	בְּצֶלֶם	בְּצַלְמֹו	הָאָדָם	אֶת־	וֵאלֹהִים	וַיִּבְרָא
और-नारी	नर	उसे	सृजा	परमेश्वर	में-स्वरूप	में-अपने-स्वरूप	मनुष्य	को-	परमेश्वर	और-सृजा
H5347	H2145	H0853		H0430	H6754	H6754	H0120	H0853	H0430	

בָּרָא	אֹתָם׃
सृजा	उन्हें
	H0853

> इसलिए परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया। परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरुप में सृजा। परमेश्वर ने उन्हें नर और नारी बनाया।

28

הָאָרֶץ	אֶת־	וּמִלְאוּ	וּרְבוּ	פְּרוּ	אֱלֹהִים	לָהֶם	וַיֹּאמֶר	אֱלֹהִים	אֹתָם	וַיְבָרֶךְ
पृथ्वी	को-	और-भर-दो	और-बढ़ो	फलो	परमेश्वर	उनसे	और-कहा	परमेश्वर	उन्हें	और-आशीष-दी
H0776	H0853	H4390		H6509	H0430		H0559	H0430	H0853	H1288

הָרֹמֶשֶׂת	חַיָּה	וּבְכָל־	הַשָּׁמַיִם	וּבְעוֹף	הַיָּם	בִּדְגַת	וּרְדּוּ	וְכִבְשֻׁהָ
रेंगने-वाला	जीवित	और-पर-सब-	आकाश	और-पर-पक्षियों	समुद्र	पर-मछलियों	और-प्रभुता-करो	और-वश-में-करो
H7430		H3605	H8064	H5775	H3220	H1710		H3533

הָאָרֶץ׃	עַל־
पृथ्वी	पर-
H0776	

> परमेश्वर ने उन्हें आशीष दी। परमेश्वर ने उनसे कहा, “तुम्हारे बहुत सी संताने हों। पृथ्वी को भर दो और उस पर राज करो। समुद्र की मछलियों और आकाश के पक्षियों पर राज करो। हर एक पृथ्वी के जीवजन्तु पर राज करो।”

29

עַל־	אֲשֶׁר	זֶרַע	זֹרֵעַ	וְעֵשֶׂב	כָּל־	אֶת־	לָכֶם	נָתַתִּי	הִנֵּה	אֱלֹהִים	וַיֹּאמֶר
पर-	जो	बीज	बोने-वाला	पौधा	सब-	को-	तुम्हें	दिया	देखो	परमेश्वर	और-कहा
		H2233	H2232	H6212	H3605	H0853		H5414	H2009	H0430	H0559

זָרַע	זֹרֵעַ	עֵץ	פְּרִי־	בּוֹ	אֲשֶׁר־	הָעֵץ	כָּל־	וְאֶת־	הָאָרֶץ	כָּל־	פְּנֵי
बीज	बोने-वाला	पेड़	फल-	में-उसके	जिस-में-	पेड़	सब-	और-को-	पृथ्वी	सब-	मुख
H2233	H2232	H6086	H6529			H6086	H3605	H0853	H0776	H3605	H6440

לְאָכְלָה׃	יִהְיֶה	לָכֶם
खाने-के-लिए	होगा	तुम्हारे-लिए
H0402	H1961	

> परमेश्वर ने कहा, “देखो, मैंने तुम लोगों को सभी बीज वाले पेड़ पौधे और सारे फलदार पेड़ दिए हैं। ये अन्न तथा फल तुम्हारा भोजन होगा।

30 וּֽלְכָל־ חַיַּ֣ת הָ֠אָרֶץ וּלְכָל־ ע֨וֹף הַשָּׁמַ֜יִם וּלְכֹ֣ל׀ רוֹמֵ֣שׂ
और-के-लिए-सब- जंगली-जानवर पृथ्वी और-के-लिए-सब- पक्षी आकाश और-के-लिए-सब रेंगने-वाला
H3605 H0776 H3605 H5775 H8064 H3605 H7430

עַל־ הָאָ֗רֶץ אֲשֶׁר־ בּוֹ֙ נֶ֣פֶשׁ חַיָּ֔ה אֶת־ כָּל־ יֶ֥רֶק עֵ֖שֶׂב לְאָכְלָ֑ה וַֽיְהִי־
पर- पृथ्वी जिस-में- में-उसके प्राण जीवित को- सब- हरा पौधा खाने-के-लिए और-हुआ-
H0776 H5315 H0853 H3605 H3418 H6212 H0402 H1961

כֵֽן׃
ऐसा

मैं प्रत्येक हरे पेड़ पौधा जानवरों के लिए दे रहा हूँ। ये हरे पेड़—पौधे उनका भोजन होगा। पृथ्वी का हर एक जानवर, आकाश का हर एक पक्षी और पृथ्वी पर रेंगने वाले सभी जीवजन्तु इस भोजन को खांएगे।” ये सभी बातें हुईं।

31 וַיַּ֤רְא אֱלֹהִים֙ אֶת־ כָּל־ אֲשֶׁ֣ר עָשָׂ֔ה וְהִנֵּה־ ט֖וֹב מְאֹ֑ד וַֽיְהִי־ עֶ֥רֶב וַֽיְהִי־
और-देखा परमेश्वर को- सब- जो बनाया और-देखो- अच्छा बहुत और-हुई- शाम और-हुई-
H7200 H0430 H0853 H3605 H2009 H3966 H1961 H6153 H1961

בֹ֖קֶר י֥וֹם הַשִּׁשִּֽׁי׃ פ
सुबह दिन छठवां ¶
H1242 H3117 H8345

परमेश्वर ने अपने द्वारा बनाई हर चीज़ को देखा और परमेश्वर ने देखा कि हर चीज़ बहुत अच्छी है। शाम हुई और तब सवेरा हुआ। यह छठवाँ दिन था।